

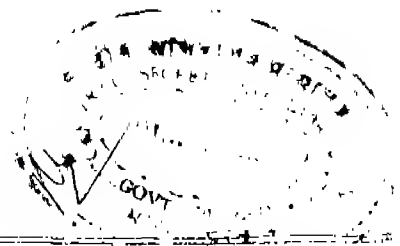


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 464] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 10, 1994/कार्तिक 19, 1916 (शक)  
No. 464] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 10, 1994/KARTIKA 19, 1916 (SAKA)

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिनूचना

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1994

सांका०नि० 804(अ) :—लोक ऋण नियमावली, 1946 के निजम (4) की धारा (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा यह विनिर्दिष्ट करती है कि लोक ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) के खंड 2 की धारा (2) की उपधारा (ख) के प्रयोजन हेतु सरकारी प्रतिभूति जिसका भुगतान किश्तों में किया जाता है का प्रपत्र निम्नानुसार होगा, अर्थात् :—

“प्रपत्र

भारत सरकार

का अंकित स्टोक

“-----प्रतिशत 8 वर्षीय सरकारी स्टोक 2002 जिसका भुगतान किश्तों में जाता है।”

खाना ऋण प्रमाण-पत्र सं-----

में एतद्वारा प्रमाणित करना है कि-----

-----प्रतिशत, सरकारी स्टोक-----

जिसका भुगतान किश्तों में किया जाता है और जिसका नामित मूल्य-----रुपए है, का पंजीकृत स्वामी हैं और यहां पृष्ठांकित की गई स्टोक की धनराशि अदा कर दी गई है।

किश्तों में अदा की जाने वाली अदायगी की देय तारीख  
धनराशि

प्रदत्त मूल्य

हस्ताक्षर

(1)	(2)	(3)	(4)
आवंटन पर धनराशि	15 नवम्बर, 1994	-----रुपए	-----
दूसरी किश्त	15 दिसम्बर, 1994	-----रुपए	-----
तीसरी किश्त	16 जनवरी, 1995	-----रुपए	-----
अंतिम किश्त	15 फरवरी, 1995	-----रुपए	-----

(प्राधिकृत अधिकारी)

उपर्युक्त देय तारीखों पर भुगतान न किए जाने पर (क) इस स्टाक का पूरा प्रदत्त मूल्य जन्त कर लिया जाएगा, और (ख) स्टाक रद्द कर दिया जाएगा।

सरकारी स्टाक का ब्याज-----प्रतिशत प्रतिवर्ष होगा जो स्टाक के जारी होने की तारीख से स्टाक के प्रदत्त मूल्य पर छमाही तौर पर देय होगा तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं. 4 (4) डब्ल्यू एंड एम/94 दिनांक 10-11-1994 के अनुसार भ्रदा किया जाएगा।

लोक ऋण कार्यालय

भारतीय रिजर्व बैंक

दिनांक

गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक

कृते प्रबन्धक

पृष्ठांकन द्वारा हस्तांतरणीय नहीं होगा। अंकित स्टाक संबंधी विवरण हेतु प्रमाण-पत्र के पृष्ठ भाग अवलोकन करें।

पृष्ठ भाग

लोक ऋण कार्यालय, भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई, कलकत्ता, नई दिल्ली, मद्रास, बंगलौर, पटना, हैदराबाद, नागपुर, कानपुर, जयपुर, अहमदाबाद, गुवाहाटी, तिरुवनन्तपुरम और भुवनेश्वर में पंजीकृत भारत सरकार के ऋण के अंकित स्टाक (खाता ऋण) संबंधी विवरण।

1. स्टाक संबंधी प्रमाण-पत्र पृष्ठांकन द्वारा परक्राम्य नहीं है और हस्तांतरण विलेख (डीड) द्वारा ही किया जाएगा। यह हस्तांतरण स्टाक शुल्क रहित होते हैं।
2. इस प्रयोजन हेतु लोक ऋण नियमावली, 1946 (जो लोक ऋण कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है) के तहत विहित एक कोरे हस्तांतरण विलेख का प्रयोग किया जाए। इसका निष्पादन स्वामी अथवा उसके अभिवक्ता द्वारा किया जाएगा और अभिवक्ता द्वारा किए जाने पर इसके साथ बिक्री के अधिकार का प्रलेख हो जिस पर उचित रूप से मुहर लगी हो।
3. बिक्री के मामले में इस प्रमाण-पत्र को या तो लोक ऋण कार्यालय में या उस राजकोष में जमा किया जाना चाहिए जहां ब्याज की अदायगी की जानी हो। जिस मामले में स्टाक के केवल किसी एक भाग का हस्तांतरण किया जाएगा वहां श्रेता हस्तांतरित धनराशि का एक प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा और हस्तांतरणकर्ता शेष धनराशि संबंधी एक नया प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा।
4. उप प्रभागीय मामलों को छोड़कर स्टाक संबंधी प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। उप प्रभाग के संबंध में जारी किए गए प्रत्येक नए स्टाक प्रमाण-पत्र के लिए शुद्ध अधिकतम 1/- रुपए सहित 25 पैसे प्रति सैंकड़ा देय होगा।
5. उस लोक ऋण कार्यालय में स्टाक प्रमाण-पत्र जमा करके जिसके खातों में हस्तांतरण किया जाना वांछनीय हो, स्टाक, बम्बई, कलकत्ता, नई दिल्ली, मद्रास, बंगलौर, पटना, हैदराबाद, नागपुर, कानपुर, जयपुर, अहमदाबाद, गुवाहाटी, तिरुवनन्तपुरम और भुवनेश्वर के बीच हस्तांतरित किए जा सकते हैं।
6. स्टाक पर लिया जाने वाला ब्याज लोक ऋण कार्यालय द्वारा स्टाक प्रमाण-पत्र की किसी पूर्व निविदा के बिना जारी किए गए अधिपत्रों (वारण्ट्स) द्वारा भ्रदा किया जाता है और जिसका भुगतान भारतीय रिजर्व बैंक के बम्बई, कलकत्ता, नई दिल्ली, मद्रास, बंगलौर, नागपुर, पटना, कानपुर, जयपुर, अहमदाबाद, हैदराबाद, गुवाहाटी, तिरुवनन्तपुरम और भुवनेश्वर स्थित स्थानीय कार्यालय में किया जा सकता है। स्टाक प्रमाण-पत्र धारक के लोक ऋण कार्यालय में लिखित रूप से किए जाने वाले अनुरोध पर अधिपत्रों का भुगतान भारतीय रिजर्व बैंक के किसी अन्य कार्यालय अथवा भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा अथवा इसके कांफ के लेन-देन का संचालन करने वाली किसी संबद्ध शाखा अथवा भारत के किसी राजकोष अथवा उप राजकोष में किया जा सकेगा। यदि धारक चाहे तो कमीशन प्रभार की कटौती करने के बाद ब्याज का भुगतान धनादेश द्वारा भी किया जा सकेगा।
7. ब्याज की अदायगी की देय तारीख से एक दिन पहले अधिपत्र (वारण्ट) लोक ऋण कार्यालय, (बम्बई, कलकत्ता, नई दिल्ली, मद्रास, बंगलौर, पटना, हैदराबाद, नागपुर, कानपुर, जयपुर, अहमदाबाद, गुवाहाटी, तिरुवनन्तपुरम और भुवनेश्वर) से डाक द्वारा मालिक को उसके पंजीकृत पते पर अथवा मान्यताप्राप्त बैंक अथवा एजेंट को यदि मालिक ने संबंधित लोक ऋण कार्यालय को लिखित रूप में ऐसा करने के लिए अनुरोध किया हो, भेजे जाएंगे। (उपरोक्त लिखित अनुरोध निर्धारित प्रपत्र में ही किया जाए जिसकी प्रति लोक ऋण कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।)
8. ब्याज को देय तारीख से एक मात्र पूर्व ही लोक ऋण कार्यालय के स्टाक संबंधी खाते बंद कर दिए जाएंगे ताकि सतीलन करके ब्याज अधिपत्र (वारण्ट) तैयार किए जा सकें। खाता बंद करने की तारीख के बाद कोई स्टाक भेजे जाने पर उस स्टाक को "अधिपत्र बाह्य" स्टाक के रूप में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

9. इसमें ऊपर मव सं. 7 में उल्लिखित अनुरोध प्रपत्र खातों के बंद होने की देय तारीख से पहले लोक ऋण कार्यालय में अवश्य पहुंच जाने चाहिए। उसमें दिए गए अनुदेशों का तब तक पालन किया जाएगा जब तक कि उन्हें रह नहीं कर दिया जाता। यदि अनुरोध समय प्रपत्र पर नहीं भेजे जाते तो अधिपत्र यथासंभव शीघ्र भेज दिए जाएंगे लेकिन लोक ऋण कार्यालय इन अधिपत्रों की भुगतान की तारीख से पूर्व प्रेषित करने की जिम्मेदारी नहीं लेगा।

10. जिन स्टॉक मालिकों को अधिपत्र भेजे जाने हैं यदि उनके पते में कोई परिवर्तन हो तो वे उसकी सूचना लोक ऋण कार्यालय को तत्काल दें। यदि ऐसी कोई सूचना (जिसमें ऋण का व्यौरा, स्टॉक प्रमाण-पत्र की संख्या और धनराशि का उल्लेख अवश्य हो) लोक ऋण कार्यालय को व्याज की देय तारीख से पूर्व के तीन दिनों तक नहीं मिलती तो लोक ऋण कार्यालय व्याज की अवधि पूरी होने तक इसको रिकार्ड कर लिए जाने की जिम्मेदारी नहीं ले सकता।

## हस्तांतरण ज्ञापन

संख्या	हस्तांतरण की तारीख	हस्तांतरण कर्ता/हस्तांतरणकर्ताओं का नाम	सहायक लेखा अधिकारी/लेखा अधिकारी के आदेशाक्षर हस्ताक्षर
--------	--------------------	---	--

राष्ट्रपति के आदेश से

[फा. सं. 4(4) डब्ल्यू एंड एम/94]

एन. पी. बागची, अपर सचिव (बजट)

**MINISTRY OF FINANCE**  
(Department of Economic Affairs)  
Notification  
New Delhi, the 10th November, 1994

**GSR 804(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (b) of rule 4 of the Public Debt Rules, 1946, the Central Government hereby specifies that the following shall be the form of Government security for which the payment is made in instalments for the purpose of sub-clause (b) of clause (2) of section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944), namely :—

“FORM  
GOVERNMENT OF INDIA  
INSCRIBED STOCKS  
OF THE

“—————per cent 8 year tenor Government Stock 2002 for which payment is made in instalments”

BOOK DEBT CERTIFICATE NO. —————

I hereby certify that ————— is the registered proprietor of ————— per cent Government Stock ————— for which payment is made in instalments of nominal value of Rs. ————— and that the amount endorsed hereon has been paid up on the stock.

Amount payable in instalments 1	Due date of Payments 2	Paid up value (Rs.) 3	Signature 4
Amount on allotment	15th November, 1994	Rs. —————	—————
2nd instalment	15th December, 1994	Rs. —————	—————
3rd instalment	16th January, 1995	Rs. —————	—————
Final instalment	15th February, 1995	Rs. —————	—————
			(Authorised official)

Default in payment of instalments on aforesaid due dates shall cause,—(a) forfeiture of the entire paid-up value of this stock; and (b) cancellation of the stock.

The Government Stock will bear interest at ————— per cent, per annum payable half yearly on the paid up value of the Stock from the date of issue of the Stock and would be payable in accordance with the Notification No. 4(4) V & M/94 dated 10-11-1994

Not transferable by endorsement. For details regarding Inscribed Stock see reverse of the Certificate.